ank-2_Copy of Layout 1 30/06/2024 10:18 PM Page 1

पाक्षिक

स्वर्ण खबर

वर्ष:12 | अंक: 2 | पेज:4 | रुपये:10 | swarnkhabar@gmail.com | टोंक, सोमवार, 1 से 15 जुलाई 2024 | Mob.+91-9462549799 | swarnkhabar.in.net

राज्य के 65 लाख किसानों के खातों में सीएम का तोहफा

किसान समृद्ध होगा तो राजस्थान समृद्ध होगा : भजन लाल

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को टोंक में राज्य स्तरीय समारोह में करोड़ों रुपए की सौगातें दीं। सीएम भजनलाल शर्मा ने टोंक में मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना का शुभारंभ किया। योजना की पहली किस्त (1000 रुपए) किसानों के खाते में ट्रांसफर की। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- किसान समृद्ध होगा तो राजस्थान समृद्ध होगा। राजस्थान समृद्ध होगा तो हमारा देश समृद्ध होगा। सीएम ने कहा- यह मन में दर्द था कि हमारे पास जमीन है, लेकिन पानी नहीं है। राजस्थान के लिए सबसे पहला जो काम हमने किया, वो है पानी की व्यवस्था। ईआरसीपी पर काम किया। 21 जिलों को ईआरसीपी की आवश्यकता है। आपसे वादा है ईआरसीपी आएगी, 21 जिलों के गांवों में पानी जरूर आएगा। किसान सम्मान निधि देने का वादा किया था, वो भी पूरा किया है। किसान जब किसान के घर जाता है, रिश्तेदारी गिफ्ट है तो अक्सर एक-दूसरे से पूछते हैं कि फसल कैसी है। दूध पानी है कि नहीं? आने वाले समय में किसान के लिए और भी अच्छी-अच्छी योजनाएं आने वाली हैं। किसानों को 8 हजार करोड़ से ज्यादा का बिजली बिलों का अनुदान देने का हमने काम किया है। हमने बिजली

के क्षेत्र में 2.24 लाख करोड़ के एमओयू किए हैं। अब किसानों को साल में 6 हजार नहीं, 8 हजार रुपए मिलेंगे। डबल इंजन की सरकार प्रदेश में चप्पे-चप्पे पर पानी पहुंचाने का काम करेगी। किसान बिजली को लेकर परेशान हैं, लेकिन अब ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर 2 साल में ऐसी व्यवस्था कर देंगे कि किसान को बिजली को लेकर कोई समस्या नहीं होगी। पिछले राज में फर्जी भर दिए। अभी तो मछली पकड़ी जा रही है। जल्द ही मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। सरकार के कई मंत्री व भाजपा नेता पहुंचे, कार्यक्रम में जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, बीजेपी जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता और शिव शिक्षा समिति के संचालक एवं समाजसेवी डॉ. शिवजी लाल चौधरी मौजूद रहे।

प्रिय अभिभावकों

ट्रैंडिंग से नही बच्चे के टेलेन्ट से करें सब्जेक्ट का चुनाव...!

प्रिय अभिभावकों

आपके बच्चों के रिजल्ट्स आ चुके है और अब आप उनके लिए सब्जेक्ट्स के चुनाव में व्यस्त है लेकिन आपको उनके सब्जेक्ट्स का चयन उनको ध्यान में रखकर करना है लेकिन समाज में एक दूसरे के प्रति आए दिन होने वाली बातों के चलते

कामिनी श्रीवास्तव
प्रधानाचार्या, सन शइन ग्लोबल सी. सै. स्कूल, टोंक

दूसरों की देखा देख आप अपने बच्चे को भी उसी विषय का चुनाव करने को कह देते है जो ट्रेंडिंग में चल रहा हो। जब आपके दो बच्चे भी एक जैसे नहीं हो सकते तो आपके मित्र के बच्चे के जैसा आपका बच्चा कैसे हो सकता है? किसी रिश्तेदार के बच्चे का आ- ईआईटी में सलेक्शन आपके बच्चे के सलेक्शन का प्रमाण कैसे हो सकता है? आप अपने बच्चे को जानने का प्रयास करें। हालाँकि आपसे बेहतर आपके बच्चे को कोई नहीं जनता लेकिन आज के समय में माता पिता पर सामाजिक प्रेशर के चलते बच्चों के टेलेंट को साइड में रखकर आज का अभिभावक यह देखता ही कि पड़ौसी का बच्चा डॉक्टर की पढ़ाई कर रहा है तो हमारा बच्चा भी उससे कम न हो, अब ऐसे में विषय चुनने की इस उम्र में बच्चों को अपने माता पिता के विश्वास की सख्त आवश्यकता के साथ ही उन्हें उचित मार्गदर्शन की भी जरूरत होती है, ऐसे में माता पिता की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, बच्चों की रुचि और क्षमता का पता लगाएं। उनके साथ बैठकर उनसे खुलकर बात करें ना कि उनकी तुलना किसी से कर उन पर दबाव डालें। बच्चों को सब्जेक्ट लेने में मदद करने का सही तरीका सिर्फ यही है कि वो क्या बनना चाहता है और क्यों बनना चाहता है। क्योंकि पढ़ लिखकर उसे क्या बनना है यह महत्वपूर्ण है, इसके साथ ही बच्चें का विजन और मिशन दोनों का सब्जेक्ट के चुनाव से पहले ही क्लियर होना आवश्यक है, जब मिशन और विजन दोनों क्लियर होंगे तो उसका रोड़ मैप भी क्लियर होगा। जब यह सब क्लियर हो जायेगा तो फिर बच्चा किसी भी फिल्ड में जाये सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगा। साथ ही बच्चे के सम्पूर्ण विकास पर ध्यान दें। आपके बच्चे को उसके टीचर्स भी बहुत अच्छे से समझते है उनसे भी बात करें। यकीन मानिए आपका बच्चा भी कोई ना कोई ऐसा हुनर लेकर पैदा हुआ जो अद्भुत है। बस उसे अपने माता पिता के पूर्ण विश्वास और समाज की प्रपंच भरी बातों से बचाव की आवश्यकता है।

आयुष्मान हॉस्पिटल में महिला ने दिया तीन बच्चों को जन्म

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। शहर के जेल रोड़ स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल में मोहल्ला ताल कटोरा निवासी इरम फातिमा ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है, जिसमें दो बेटे एवं एक बेटी है, इससे पहले 14 दिन पूर्व 14 जून को इसी अस्पताल में टोंक के वजीरपुरा की महिला सीता देवी ने भी तीन बच्चों को एक साथ जन्म दिया था वही इसी हॉस्पिटल में 11 महीने पहले वजीरपुरा गांव की ही एक अन्य महिला ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया दिया था। यहां टोंक में आयुष्मान हॉस्पिटल में पिछले 11 महीने में यह तीसरा मौका है। यहां एक बार फिर से एक महिला में बुधवार को ही एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है और यह तीन मिनट के अंतराल में जन्मे है। शादी के बाद पहले ही साल में मां बनने की खुशी के साथ इरम फातिमा को तिहरी खुशी मिली है। बुधवार की दोपहर 2 बजकर 16 मिनट से 2 बजकर 18 मिनट के बीच टोंक के तालकटोरा क्षेत्र की रहने वाली इरम फातिमा ने टोंक के आयुष्मान हॉस्पिटल में एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। सबसे पहले बेटी का जन्म हुआ और उसके बाद दो बेटों को जन्म दिया। हॉस्पिटल की डॉक्टर शालिनी अग्रवाल के अनुसार इस तरह के मामले रेयर होते है बच्चो को जन्म देनी वाली माँ स्वस्थ है। यहां पिछले 11 महीने में यह तीसरा मामला है जब किसी महिला ने 3 या 4 बच्चों को जन्म दिया है। टोंक जिले के वजीरपुरा गांव और आयुष्मान हॉस्पिटल का संयोग ही है कि 10 महीने पहले 27 अगस्त को इसी हॉस्पिटल में वजीरपुरा गांव की रहने

वाली किरण कंवर ने डॉ. शालिनी अग्रवाल की देखरेख में एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया था और चारों बच्चे स्वस्थ है। वही 10 महीने बाद उसी वजीरपुरा गांव की महिला सीता देवी ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है और तीनों बच्चे स्वस्थ है।

नया दूरसंचार अधिनियम 2023 लागू

कोई भी व्यक्ति 9 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं ले सकेगा

नई दिल्ली। देश में बुधवार से नया टेलिकम्युनिकेशन एक्ट 2023 लागू हो गया। अब कोई भी नागरिक जिंदगी भर 9 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं ले सकेगा। जबकि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के लोग अधिकतम 6 सिम कार्ड ही ले सकेंगे। गलत तरीकों के सिम लेने पर 3 साल जेल और 50 लाख तक का जुमार्ना लगेगा। नया कानून सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किसी भी टेलिकॉम सर्विस या नेटवर्क और मैनेजमेंट को टेक ओवर करने या उसे सस्पेंड करने की अनुमति देता है। नए कानून के तहत उपभेक्ता को गुड्स, सर्विसेज के

लिए विज्ञापन और प्रमोशनल मैसेज भेजने से पहले उनकी सहमति लेनी होगी। टेलिकॉम सर्विसेज देने वाली कंपनी को एक ऑनलाइन मैकेनिज्म बनाना होगा, जिससे यूजर्स अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सके।

सन शाइन स्कूल से हुआ राइटिंग स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का आगाज

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। शहर के सन शाइन ग्लोबल स्कूल से स्वर्ण खबर द्वारा डब्लूएसडीपी (राइटिंग स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम) का आगाज हो गया है।

जिसके चलते स्कूल के कई बच्चों का रुझान लिखने के प्रति जागरूक दिखाई दिया। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 4 से कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को पिता पर लिखने को कहा गया और साथ ही बेहतर प्रस्तुतिकरण के लिए प्रेरित किया गया। आपको बता दें कि विद्यार्थियों द्वारा पिता पर कविताएं और लेख लिखने के साथ ही कई आकर्षक छायाचित्र भी बनाए गए।

जिनमें से चुनिंदा विद्यार्थियों के

छायाचित्र एवं लेख को पृष्ठ 4 पर बताया गया है। सन शाइन ग्लोबल स्कूल की प्रधानाचार्या कामिनी श्रीवास्तव का कहना है कि स्वर्ण खबर और सन शाइन स्कूल का यह प्रयास विद्यार्थियों में लिखने और सोचने की क्षमता का विकास करेगा। वहीं स्कूल डायरेक्टर विशाल श्रीवास्तव ने डब्लूएसडीपी कार्यक्रम को विद्यार्थियों के ओवरऑल डेवलपमेंट में कारगर बताया।

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में सामंजस्य बैठना अपने आप में चुनौती है : डॉ. सुषमा

डिसेक्शन के टाइम पर बेहोश हो जाने वाली सुषमा कैसे बनी स्त्री रोग विशेषज्ञ, अब तक 35 हजार डिलेवरी करवा चुकी है डॉ. सुषमा अग्रवाल

-पीयूष गौतम-

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। हम आपको ऐसी शख्सियत से रूबरू करवा रहे है जो अपनी काबलियत के कारण पहचानी जाती है, जिनको बचपन मे खून से डर लगता था लेकिन आज यह महिलाओं को जीवनदान देना का कार्य करती है और टोंक शहर के सबसे बडे प्राइवेट हॉस्पिटल की प्रोपराइटर है, ऐसे डॉ. सुषमा अग्रवाल स्त्रीरोग विशेषज्ञ है।

✷ आपकी पढ़ाई की शुरूवात के बारे में बताएं?

मेरा बचपन जयपुर में बीता और एमबीबीएस की पढ़ाई और पीजी की पढ़ाई दोनों अजमेर से हुई, तो स्टार्टिंग में तैयारी के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी और एमबीबीएस के बाद मेरे शादी भी हो गई, प्री पीजी की तैयारी शादी के बाद करने में भी काफी प्रोब्लम्स आई लेकिन मैं सफल हुई और मुझे एम एस गायनी मिला। वो मैंने 3 साल अजमेर में पढ़ाई की। उसके बाद मैंने और मेरे पति डॉ. सुरेंद्र अग्रवाल ने कुचामन में

जॉब किया। फिर उसके बाद हमने ये डिसाईड किया की जो हमारा नेटिव प्लेस है, वही पे जाके अपना अस्पताल खोले, क्योंकि यहाँ पर केवल गवर्नमेंट में ही गायनी की और फिजिशियन की सुविधा थी। कोई भी प्राइवेट हॉस्पिटल उस समय टोंक जिले में नहीं था।

✷ अपने हॉस्पिटल की शुरूवात कब की और तब से आज तक किस तरह का परिवर्तन आपको दिखाई देता है?

हमने अपना हॉस्पिटल 2007 में एक किराये की बिल्डिंग में शुरू किया था और हमें इतना अच्छा रिस्पांस मिला की 2010 में हमने अपनी नई बिल्डिंग बना ली। उस समय और आज के टाइम में बहुत अंतर है, पेशेंट्स को यदि हम देखते है तो तब पेशेंट्स का सरकारी हॉस्पिटल में ही जाने की प्रवृत्ति थी, जबकि प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज कराने में लोग काफी झिझकते थे। यहाँ पे भी अच्छा इलाज होता है।

काफी समय लगा और उस समय जो बीमारियां थी, जैसे एनीमिया बहुत ज्यादा था, वो बहुत कवर हुआ है यानी जनरली हमारे पास 5-6 ग्राम हीमोग्लोबिन वाले पेशेंट्स आते थे, तो इम्प्रूव होते होते 7-10 ग्राम पर होते हुए पेशेंट्स का ओवरआल हेल्थ स्टेटस जो इम्प्रूव हुआ है, साथ ही बच्चों में बहुत ज्यादा समस्या आती थे। रोजाना करीब आठ नौ डिलेवरी तो नॉर्मल थी, ओवरआल हेल्थ अवेयरनेस पेशेंट्स में बढी है।

✷ पहले के टाइम में लड़की को पढ़ाना चुनौतीपूर्ण रहता था, उस समय आपको कैसा माहौल दिखाई दिया?

मेरे पापा की जयपुर में पोस्टिंग थी। वो गवर्नमेंट जॉब में थे, और आज जो भी हूँ मेरे पापा की बदौलत ही हूँ। हम लोग तो उस समय कुछ भी नहीं समझते थे, लेकिन पापा का बहुत मन था कि इसको मैं डॉक्टर ही बनाऊंगा। मैं तो मैथ्स लेना चाहती थी, लेकिन पापा ने ही मुझे बायोलोजी दिलवाया तो उनकी इच्छा से मैंने बायोलोजी लिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ank-2_Copy of Layout 1 30/06/2024 10:18 PM Page 2

सम्पादकीय

कानून से नहीं बंद होगी धांधली

अनेक अपराधी जेल से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। उन्हें जीत का सर्टिफिकेट न मिले और वे शपथ ग्रहण नहीं करें, तो क्या उन्हें सांसद की मान्यता और वेतन आदि मिलेगा? इसका जवाब नहीं है। परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए केंद्र सरकार ने जिस कानून को आधी रात को लागू किया है, उसे इसी तरीके से समझने की जरूरत है। इसे चार माह पहले ही संसद के साथ राष्ट्रपति को स्वीकृक्ति मिल गयी थी। नीट और अन्य कुछ परीक्षाओं में धांधली के हो रहे खुलासे और अनेक परीक्षाओं के रद्द होने से जब पानी नाक के ऊपर आ गया, तो सरकार ने नये कानून के ब्रहमास्त्र का इस्तेमाल किया है। मजेदार बात यह है कि इसकी धारा 17 के तहत कानून मंत्रालय ने अभी विस्तृत नियम नहीं बनाया है। उनके बगैर यह कानून बिना बारूद दिखावटी तोप जैसा है। इसे एक और तरीके से समझते हैं। डेटा सुरक्षा का कानून पारित होने के बावजूद नियम न बनने की वजह से ठंडे बस्ते में पड़ा है। नये कानून के साथ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है, जिसे दो माह में रिपोर्ट देनी है। जिन्होंने श्रीलाल शुक्ल का 'राग दरबारी' पढ़ा है, उन्हें पता है कि भारत में मामले को टालने के लिए समिति बनाना परंपरागत और कारगर हथियार है। कानूनों में पहले ही नकल, भ्रष्टाचार, फजीर्वाड़ा और संगठित अपराध रोकने के लिए प्रावधान हैं, जिनके तहत अभी पुलिस मामले दर्ज कर रही है। नये कानून के तहत परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी या सर्विस प्रोवाइडर पर एक करोड़ रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। सर्विस प्रोवाइडर संगठित अपराध करे, तो न्यूनतम पांच और अधिकतम दस साल की जेल हो सकती है। परीक्षा केंद्र में गड़बड़ी करने पर चार साल के लिए केंद्र को निलंबित किया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों को लोक सेवक का दर्जा मिलने की वजह से उनके खिलाफ आपराधिक साजिश के साथ भ्रष्टाचार का मामला भी चल सकता है। बंबई हाइकोर्ट के नये फैसले के अनुसार, 2015 के कानून से काले धन के पुराने मामलों में कार्रवाई करना संविधान के अनुच्छेद 20 का उल्लंघन है। इसलिए नये कानून से पुराने अपराधों की जांच कैसे होगी, इस बारे में भी कानूनी विवाद की स्थिति है। इस कानून के दायरे में यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग और एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाएं आयेंगी। इसलिए लोक सेवा आयोग और बोर्ड आदि की नौकरियों और परीक्षाओं में धांधली को रोकने के लिए राज्यों को नये मॉडल कानून के अनुसार नये सिरे से कानून बनाने होंगे। कई राज्यों में ऐसे कानून पहले से हैं। उड़ीसा में 1988, आंध्र प्रदेश में 1997, उत्तर प्रदेश में 1998, झारखंड में 2001, 2001, छत्तीसगढ़ में 2008, राजस्थान में 2022, गुजरात और उत्तराखंड में 2023 में नकल और धांधली रोकने के लिए कानून बनाये गये हैं। उत्तर प्रदेश में नकल रोकने के लिए एसटीएफ ने कमान संभाल ली है। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी, कैमरा, वॉइस रिकॉर्डर, राउटर, वेब टेलीकास्ट आदि को दुरुस्त रखना होगा। नयी नीति के अनुसार निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों के लिए एसटीएफ की मंजूरी जैसे सख्त प्रावधान हैं। इसमें नकल और एग्जाम माफिया गड्डमड्ड कर परीक्षार्थियों पर नियमों का बोझ डालने से चीजें बिगड़ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में आठ जुलाई को सुनवाई होगी, पर पिछली बार जजों ने साफ कर दिया था कि परीक्षाओं में 0001 फीसदी गड़बड़ी भी बर्दाश्त नहीं होगी। अगर भ्रष्ट तरीके से परीक्षा पास किये लोग डॉक्टरी के पेशे में आ गये, तो फिर समाज की कितनी दुर्दशा होगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अब किस्तों में गलतियों और गड़बड़ी को स्वीकार कर रहे हैं। साल 2004 में 13 और 2015 में 44 परीक्षार्थियों को पर्चा लीक होने पर एआईपीएमटी ने परीक्षा को रद्द कर दिया था। लेकिन नीट में बड़ी धांधली के सबूत आने के बावजूद परीक्षा रद्द करने से सरकार इंकार कर रही है। नीट मामले में पारदर्शिता के साथ कारवाई का सीधा प्रसारण और रिपोर्टिंग हो।

व्यंग्य आधुनिकता पर प्रहार!

नारद जी ने देखा मोबाइल का कहर

भगवान विष्णु ने नारद जी से कहा- हे नारद, तुम पृथ्वी लोक में जाओ और पता लगाओ, आखिर लोग किस गोरखधंधे में उलझ गए है। अब तो सुबह शाम भी लोगों ने याद करना बंद कर दिया है। तुम दो दिवस में सारी रिपोर्ट प्रस्तुत करो।

नारदजी ने मच्छर का रूप बनाया और आधी रात में एक घर की दीवार पर चिपक कर बैठ गए। उन्होनें देखा कि एक किशोर वय का बालक एक यंत्र में नाच गान देख रहा है। एक चलचित्र समाप्त होता है तो दूसरा शुरू हो जाता है। ब्रह्म मुहूर्त में उसकी मां की नींद खुलती है, बेटे को ब्रह्म मुहूर्त में जागते देखकर वह बहुत प्रसन्न होती है।

मांः- बेटा अब मेरे अच्छे दिन आ गए। ब्रह्म मुहूर्त में जो उठता है उसकी बुद्धि प्रखर होती है, आज तुझमे यह सदबुद्धि कैसे आ गई जो तू जल्दी उठ गया ?

बेटाः- अरी मां, मैं आज सोया ही कहाँ था जो उठने की नौबत आती। यू-ट्यूब पर एक के बाद एक ऐसे शानदार वीडियो आते गए कि बस मैं उनमें डूबता गया। अभी तो एक से एक धांसू वीडियो बाकी है।

नारद दूसरे घर में गए। पति सोफे पर लेटा अंगूठे से रीलें आगे पीछे कर रहा था। पास ही पलंग पर उल्टी लेटकर उसकी पत्नी वाट्सएप पर हाय-हेलो, बधाई, शुभकामनाएं और नमस्कार का दौर चला रहीं है। आठ बज गए हैं न पति नहाने के मूड में है न

केदार शर्मा 'निरीह'

ही पत्नी। तभी डेढ़ साल का बच्चा जाग जाता है। और रोने लगता है। उसके मम्मी उसे फोन देती है और बच्चा चुप हो जाता है। मम्मी नित्यकर्म से निवृत होकर वापस आते ही बच्चे से फोन छीन लेती है। बच्चा वापस रोने लगता है, बीच-बीच में हाथ-पाँव पटक रहा होता है।

मम्मीः-देखो, चुपचाप बच्चे को फोन दो। मैंने इतनी देर दे दिया। अब आपकी बारी है।

पापाः-देखो, मैं मेरे ऑफिस के मैसेज देख रहा हूं। मैसेज का प्रेशर इतना है कि नित्यकर्म का प्रेशर उन्नीस ही रह गया है।

मम्मीः- सुबह-सुबह कौनसे ऑफिस के मैसेज आ गए, दिखाओ जरा मुझे।

पापा चुपचाप उठते हैं और बच्चे को मोबाइल फोन थमाते हैं और फिर बच्चा चुप हो जाता है। थोड़ी देर में पापा वापस आए तो देखते हैं बच्चा सोया हुआ है, बच्चे के हाथ में मोबाइल के स्थान पर एक कागज की पर्ची थी। पापा ने जल्दी

से वह पर्ची अपने हाथ में ली और पढ़ा, लिखा था-पापा, मैं यह फोन लेकर घर से जा रहा हूँ।

पापाः-अरे भाग्यवान ! वो बड़ा मोबाइल कुमार मेरा नब्बे हजार का फोन लेकर घर से भाग गया है। हाय ! मैं अब क्या करूंगा ?

मम्मीः- मैंने पहले ही कहा था कि उसे नब्बे हजार वाला नया मोडल चाहिए। अब रोओ, बच्चा भी गया और मोबाइल भी। ऐसे केवल मोबाइल ही लाना पड़ता।

मम्मीः-लेकिन यह मोबाइल की लत लगाई किसने ? तुम्हारी ही जिद पर इसके गर्भ में आधान से लेकर नामकरण मुंडन, विद्यारंभ सारे संस्कार इसी मोबाइल की साक्षी में हुए हैं। तुम जल्दी से उसे फोन लगाओ।

मम्मीः- वह फोन नहीं उठा रहा है। मैंने मैसेज कर दिया है-मेरे लाड़ले मोबाइल कुमार, तुम जल्दी से घर आ जाओ, तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा।

पापाः- कोई कुछ कैसे नहीं कहेगा। मै मेरा मोबाइल फोन वापस लेकर रहूंगा। वह आए या नहीं, मुझे मेरा फोन वापस दे जाए फिर चाहे जाए भाड़ मे। मैं अभी पुलिस में रिपोर्ट लिखाने जा रहा हूं।

नारद भी गृह स्वामी के साथ ही उस घर से निकल गए। शहर से बाहर एक खेत में एक झोपड़ी में एक वृद्ध मोबाइल में आँखे गढ़ाए था। जाते जाते नारद ने सोचा कि यह वृद्ध मरने के करीब है, मैं कम से कम एक व्यक्ति का तो उद्धार करता चलूं। सो उसके पास गए।

नारदः- बाबा, मै स्वर्ग में जा रहा हूं, वैसे भी उम्र हो गई, आप भी चलो।

बाबाः- महात्मा जी क्या क्या है आपके स्वर्ग में ?

नारदजीः- यह पूछो क्या क्या नहीं है। सुख सुविधा के सारे साजो सामान वहाँ है ।

बाबाः- वो तो मैने भी सुन रखा है। क्या ऐसा मोबाइल फोन भी है या नहीं ?

नारदजीः- नहीं, नहीं, बाबा, यह नहीं है, यह तो बैसाखी है। वहां बिना इसकी मदद के भी दूरसंवाद दूरदर्शन किया जा सकता है।

बाबाः- कुछ भी समझ नहीं आया। अगर ऐसा मोबाइल नहीं है तो मैं यू-ट्यूब के वीडियो कहां देखूंगा। आप जाओ महात्माजी। मैं जितना भी थोड़ा समय जिऊंगा तो कम से यू-ट्यूब तो देखूंगा।

नारदजी निराश होकर स्वर्ग को प्रस्थान करते हैं। भगवान से सारी कहानी कहते हैं तो भगवान कहते हैं, नारद यह यंत्र धरती पर मैंने ही भेजा था। आदमी को पतन में गिराने या ऊँचाई पर चढ़ाने के लिए कोई बहाना या निमित्त चाहिए। यह मोबाइल, यह इंटरनेट बहाना है पापियों को उनके कर्मों का फल इसकी लत लगाकर शीघ्र दिलाने का। इस पर वासना,और नकारात्मक चीजें देखकर शीघ्र ही पतन के गर्त में गिराने में मुझे आसानी रहेगी, पर पुण यात्मा है तो अच्छी चीजें देखकर वह ऊँचाइयों पर छलांग भी लगा सकता है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि धरती के लोग मोबाइल क्यों देखते है सवाल यह है कि वे क्या देखते हैं ? उनका उत्थान और पतन इसी पर निर्भर है।

सफल विद्यार्थी साझा प्रयास

एक रिसर्च के अनुसार एक स्टूडेंट एक साल में 'करीब 900 घंटे स्कूल में और 7500 घंटे घर में बिताता है। यहाँ पर इस रिसर्च का संदर्भ देने के पीछे का मकसद यह है कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की पूरी जिम्मेदारी स्कूलों के भरोसे ही छोड़ना न्यायोचित नहीं होगा। किन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यूं महसूस होने लगा है कि अभिभावकों ने सिर्फ एक अच्छे और नामी स्कूल में बच्चों का दाखिला करा कर अपनी जिम्मेदारियों को थोडा दर किनार करना शुरू कर दिया है। ये तो पुराने समय से सुनते आ रहे हैं कि बच्चों के लिये पहला विद्यालय घर होता है जहाँ पर वो संस्कार सीखता है जैसे बड़ों का आदर करना, आपसी मेल-जोल के साथ रहना, पूजा-पाठ एवं अन्य सामाजिक दायित्वों में हिस्सेदारी निभाना। फिर 3 साल की उम्र में उसे स्कूल में प्रवेश दिलवाया जाता है जहाँ पर अक्षरज्ञान के साथ बहुत-सी चीजें सीखता है। यूँ कहें तो परिवार एवं घर के वातवरण का बच्चे के मानसिक विकास में बचपन से ही महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। आजकल भाग-दौड़ भरी जिंदगी में जहाँ परिवारों को स्वरूप संयुक्त के हटकर एकल हो रहा है। वहीं अभिभावक भी बच्चों पर अत्यधिक दवाब बनाये हुए है, जहाँ वो केवल अच्छे स्कूल, अच्छे कोचिंग, अच्छी हॉबी, क्लासेज और महंगे कपड़ो, खिलौनो और अन्य भौतिक सुख सुविधाओं को देकर अपने कर्त्तव्यों की इतिश्री समझ रहे हैं। बात कड़वी है परन्तु सच्ची है हमें अपने बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास लिये जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है वो है समय ना कि पैसा। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चे के उन्नत भविष्य के लिये स्कूलों और अध्यापकों के साथ मिलकर एक साथ कार्य करें, जिससे कि परिणाम बेहतरीन मिलें। विद्यालय में प्रवेश और फीस देकर अपना कर्त्तव्य पूरा ना समझे बल्कि समय-समय पर अध्यापक व विद्यालय प्रशासन के संपर्क में रहे। बच्चों को क्वालिटी टाइम-टाइम दे चाहे पूरे दिन में सिर्फ 30 मिनट ही दे। बच्चों से हर 1075 दिन में पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों के बारे में भी बात करें। अपने बच्चों को सिर्फ जीतना ही नहीं बेहतरीन प्रयास करना सिखाये। बच्चों को नैतिक मूल्यों व सामाजिक जिम्मेदारी भी सिखायें। हमारे बच्चे हमारी और समाज की पूँजी है उसे सहज कर रखना विद्यालयों और अभिभावकों की जिम्मेदारी है।

मीनाक्षी वसिष्ठ
चाइल्ड काउंसलर
पेरेंट&करियर कोच, जयपुर

नालंदा सबसे महान विश्वविद्यालय

आज भले ही भारत शिक्षा के मामले में 191 देशों की लिस्ट में 145वें नम्बर पर हो लेकिन कभी यहीं भारत दुनियाँ के लिए ज्ञान का स्रोत हुआ करता था। आज सैकड़ो छात्रों पर केवल एक अध्यापक उपलब्ध होते हैं वहीं हजारों वर्ष पहले इस विश्वविद्यालय के वैभव के दिनों में इसमें 10,000 से अधिक छात्र और 2,000 शिक्षक शामिल थे यानी कि केवल 5 छात्रों पर एक अध्यापक ..। नालंदा में आठ अलग-अलग परिसर और 10 मंदिर थे, साथ ही कई अन्य मेडिटेशन हॉल और क्लासरूम थे। यहाँ एक पुस्तकालय 9 मंजिला इमारत में स्थित था, जिसमें 90 लाख पांडुलिपियों सहित लाखों किताबें रखी हुई थीं।

यूनिवर्सिटी में सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कोरिया, जापान, चीन, तिब्बत, इंडोनेशिया, ईरान, ग्रीस, मंगोलिया समेत कई दूसरे देशों के स्टूडेंट्स भी पढ़ाई के लिए आते थे। और सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि उस दौर में यहां लिटरेचर, एस्ट्रोलॉजी, साइकोलॉजी, लॉ, एस्ट्रोनॉमी, साइंस, वारफेयर, इतिहास, मैथ्स, आर्किटेक्टर, भाषा विज्ञानं, इकोनॉमिक, मेडिसिन समेत कई विषय पढ़ाएं जाते थे।

इसका पूरा परिसर एक विशाल दीवार से घिरा हुआ था जिसमें प्रवेश के लिए एक मुख्य द्वार था। उत्तर से दक्षिण की ओर मठों की कतार थी । केन्द्रीय विद्यालय में सात बड़े कक्ष थे और इसके अलावा तीन सौ अन्य कमरे थे।

इनमें व्याख्यान हुआ करते थे। मठ एक से अधिक मंजिल के होते थे प्रत्येक मठ के आँगन में एक कुआँ बना था। आठ विशाल भवन, दस मंदिर, अनेक प्रार्थना कक्ष तथा अध्ययन कक्ष के अलावा इस परिसर में सुंदर बगीचे तथा झीलें भी थी। इस यूनिवर्सटी में देश विदेश से पढ़ने वाले छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा भी थी ।

यूनिवर्सिटी में प्रवेश परीक्षा इतनी कठिन होती थी की केवल विलक्षण प्रतिभाशाली विद्यार्थी ही प्रवेश पा सकते थे। यहां आज के विश्विद्यालयों की तरह छात्रों का अपना संघ होता था वे स्वयं इसकी व्यवस्था तथा चुनाव करते थे। छात्रों को किसी प्रकार की आर्थिक चिंता न थी। उनके लिए शिक्षा, भोजन, वस्त्र औषधि और उपचार सभी निःशुल्क थे। राज्य की ओर से विश्वविद्यालय को दो सौ गाँव दान में मिले थे, जिनसे प्राप्त आय और अनाज से उसका खर्च चलता था।

लगभग 800 सालों तक अस्तित्व में रहने के बाद इस विश्वविद्यालय को भूखे-नंगे,असभ्य,आदमखोरों की नजर लग गयी । 1193 में, नालंदा विश्वविद्यालय को बख्तियार खिलजी के अधीन तुर्क मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा बर्बाद कर दिया गया।

फारसी इतिहासकार मिन्हाज-ए-सिराज ने अपनी किताब तबकत-ए-नासिरी में लिखा है कि यूनिवर्सिटी को बर्बाद करते वक्त 1000 भिक्षुओं को जिंदा जलाया गया और 1000 भिक्षुओं के सर कलम कर दिए गए। पुस्तकालय को जला दिया गया, तत्कालीन इतिहासकारों ने लिखा है कि पुस्तकालय में किताबें लगभग 6 महीने तक जलती रहीं। और जलते हुए पांडुलिपियों के धुएं ने एक विशाल पर्वत का रूप ले लिया था।

याददाश्त की कमी एक गंभीर बीमारी की ओर इशारा...!

डॉ. लियाकत अली मंसूरी
यूनानी चिकित्सक
एस.एम.एस.हॉस्पिटल, जयपुर

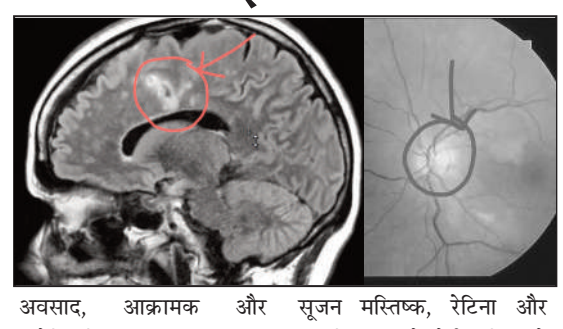

सुसाक सिंड्रोम रोग एक दुर्लभ रोग है जिसमें केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की शिथिलता, संवेदी श्रवण हानि और शाखा रेटिनल धमनी अवरोधन पाया जाता हैं। यह रोग 30 से 45 वर्ष की आयु के बीच पाया जाता हैं। 1779 में डॉ.सुसाक एट अल ने इस बीमारी का वर्णन किया था और 1986 में होयट ने सुसाक सिंड्रोम नाम दिया है तभी से इस रोग का नाम सुसाक सिंड्रोम पड़ा।

लक्षण

तेज सिर दर्द, सोचने में परेशानी आना जैसे छोटी छोटी यादें खोना, सोचने की दर धीरे होना, किसी समस्या को हल करने में क्षमता घटना, अस्पष्ट बोलना, चलने में परेशानी आना, व्यवहार में बदलाव आना, साइकोलॉजिकल समस्याएं जैसे कि तनाव, अवसाद, आक्रामक और मनोविकृति का पाया जाना।

कारण

वास्तव में यह ऑटो इम्यून एंडोथीलिओपैथी बीमारी है इसका अर्थ यह है कि किसी व्यक्ति की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपने स्वयं के ऊतक पर हमला कर रही होती हैं। एक एंडोथीलियोपैथी ऐसा विकार है जिसमें एंडोथीलियम को चोट लगती हैं जो कोशिकाओं की पतली परत होती हैं जो रक्त वाहिकाओं की आंतरिक दीवारों को रेखांकित करती हैं इसमें व्यक्ति की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से मस्तिस्क, रेटिना और आंतरिक कान में सबसे छोटी रक्त वाहिकाओं (केशिकाओं, शिराओं और धमनियों) की एंडोथीलियम परत पर हमला कर रही होती है, जब एंडोथीलियम कोशिकाएं घायल हो जाती हैं तो वे फूल जाती हैं और यह एंडोथीलियल कोशिका सूजन मस्तिष्क, रेटिना और आंतरिक कान में छोटी वाहिकाओं के आंशिक या पूर्ण अवरोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवरोध के कारण वाहिकाओं के माध्यम से रक्त प्रवाह कम हो जाता है इसलिए मस्तिष्क, रेटिना और आंतरिक कान में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती हैं जिससे इन तीन अंगों में अस्थाई शिथिलता या स्थाई क्षति होती हैं जो कम रक्त प्रवाह की गंभीरता और अवधि पर निर्भर करता है। फिर भी इस रोग का सटीक कारण अज्ञात है।

यूनानी चिकित्सा

कुचला, आफ्तीमून विलायती, खशशखश सफेद, निलोफर, संदल सफेद, ऊद सलीब, आदि जाती हैं। यूनानी चिकित्सा से सूसाक सिंड्रोम रोग बिल्कुल ठीक हो जाता हैं। फिर भी यूनानी चिकित्सा को प्रशिक्षित यूनानी चिकित्सक की देखरेख में ही करें।

मौसम को लेकर कलेक्टर अलर्ट, सम्बंधित विभागों को कड़े निर्देश

वर्षा ऋतु में जन एवं पशु हानि नहीं हो इसकी सुनिश्चिता करें- डॉ. सौम्या झा

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने विद्युत, दूषित पेयजल सप्लाई एवं बरसाती नालों की साफ-सफाई को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का शीघ्र निराकरण करें। विद्युत विभाग वर्षा ऋतु में कोई जन एवं पशु हानि नहीं हो इसकी सुनिश्चिता करें। तेज हवाओं एवं तूफान के दौरान विद्युत करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए प्रो एक्टिव होकर कार्य करें।

जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को कहा है कि वर्षा ऋतु के दौरान दूषित पानी की सप्लाई एवं पेयजल लाइनों के लीकेज होने की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएं। जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल ने बताया कि बुधवार को उपखंड पीपलू में नलों में आ रहे गंदे पानी की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए कनिष्ठ अभियंता द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि उपभोक्ताओं के नल की पाइप टूटी हुई थी, जिसकी तत्काल मरम्मत कर-वाकर सप्लाई चेक की गई। अब उपभोक्ताओं को शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में पेयजल संबंधी समस्याओं का निदान करने के लिए विभाग द्वारा लोगों को हर संभव राहत प्रदान की जा रही है। किसी भी माध्यम से सूचना प्राप्त होने पर तत्काल उसका समाधान किया जाता है। उपखंड मालपुरा में 10 वर्ष से बसी 7 एवं नवीन कॉलोनियों के विस्तार को देखते हुए अजमेर रोड़ पर 1 नग पीएसपी स्थापित की गई है जिससे क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, कॉलोनी में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए नवीन पाइप लाइन बिछाने व टंकी निर्माण की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति का प्रस्ताव कार्य प्रक्रियाधीन है।

इसी तरह बुधवार को ग्राम ईशाकपुरा की पेयजल लाइन से ग्राम इब्राहिमपुरा ठाठा में जगह-जगह अवैध नल कनेक्शन की शिकायत प्राप्त होने एवं पेयजल सप्लाई बाधित होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर विभाग ने कार्यवाही करते हुए गुरुवार को अवैध नल कनेक्शनों को काटकर पेयजल सप्लाई दुरुस्त की।

जलदाय विभाग बीसलपुर परियोजना टोंक-उनियारा-देवली परियोजना के तहत 16 नल सार्वजनिक पॉइंटों के माध्यम से मांग के अनुसार पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। नगरफोर्ट में स्थित उच्च जलाशय से मुचकुंदपुरा, जालिमगंज एवं जगन्नाथपुरा ग्रामों के ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, मुख्य पेयजल लाइन में हो रहे अवैध नल कनेक्शनों को अभियान चलाकर हटाया गया है। जल जीवन मिशन के तहत वीडीएस पाइप लाईन डिमांड अनुसार नगरफोर्ट उच्च जलाशय से ग्राम बालापुरा तक बिछा दी गई है।

आमजन विद्युत विभाग के इन नंबरों पर कर दर्ज करा सकते है शिकायत

टोंक शहर स्थित वृत कार्यालय अधीक्षण अभियंता (पवस) जयपुर ड़िस्कॉम, टोंक के कार्यालय में 24 घंटे संचालित नियंत्रण कक्ष में ही बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई है, जिसके दूरभाष नंबर 01432-243311 है तथा मोबाईल नंबर 9414041764, केंद्रीय टोल फ्री नंबर 18001806507, टेलीफोन न. 0141-2203000, आ-ईवीआरएस न. 1912 एवं एसएमएस/वाट्सएप न. 9414037085 हैं।

टोंक खंड के नोडल अधिकारी मोहर मीणा, अधिषाषी अभियंता (पवस) जयपुर ड़िस्कॉम, टोंक है, जिनके मोबाईल नंबर 9413390432 है, निवाई खंड के नोडल अधिकारी एन. के खींची, अधिशासी अभियंता,(पवस) जयपुर डिस्कॉम, निवाई मोबाईल न. 9414022976 एवं देवली खंड के नोडल अधिकारी शेर सिंह मीणा, अधिशासी अभियंता (पवस) जयपुर डिस्कॉम, देवली हैं मोबाईल न. 9413382810 हैं। विद्युत सप्लाई बाधित होने पर इन नंबरों पर संपर्क कर शिकायत का निस्तारण करवाया जा सकता है।

ank-2_Copy of Layout 1 30/06/2024 10:18 PM Page 3

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में सामंजस्य बैठना...

(पृष्ठ 1 का शेष)

हालांकि मैं ब्लड नहीं देख पाती थी। डिसेक्शन के टाइम पे मैं एक दो बार बेहोश भी हो गई लेकिन फिर भी उनका मन था तो इसलिए सिर्फ पढ़ाई की। मम्मी और पापा ने बहुत हेल्प किया, भाई बहनों का भी बहुत सहयोग रहा तो फर्स्ट एटेम्पट में ही फिर हम सेलेक्ट हो गए और परिवार मीडियम था।

✷ शादी के बाद काम करने में कोई रुकावट आई?

नहीं, शादी के बाद भी पति और परिवार का बहुत कॉपोरेशन रहा। इसीलिए आज इतना सब कुछ कर पाए क्योंकि उन्होंने कभी भी मुझे आगे बढ़ने से नहीं रोका। जो मैंने चाहा वो किया लेकिन हाँ मुझे प्रोफेशनल लाइफ के अलावा पर्सनल में भी बैलेंस करना पड़ता है क्योंकि सबसे ज्यादा ध्यान माँ का बच्चों की तरफ रहता है। तो जैसे यदि शुरू में इधर ज्यादा टाइम हॉस्पिटल में देते हैं तो फिर बच्चे पीछे छूट जाते थे।

जो कई बार मेरे साथ हुआ बहुत सी बार रात के 9 बजे तक मैं घर नहीं जा पाई और बच्चे सो गए तो मुझे लिटरल्ली रोना आ जाता था, बच्चों को टाइम देने के लिए तो फिर यहाँ पे जब मैं आती थी सारा स्टाफ मैडम अपने पेशेंट टूट रहे है, आप आते नहीं हो, चार बजे बाद या ये तो कहीं ना कहीं दिमाग में कसम कश की पर्सनल पे ध्यान दो तो प्रोफेशनल छूटता है, प्रोफेशनल पे ध्यान दो तो पर्सनल छूटता है, अलटिमेटली दिमाग में मेच्युरिटी डेवलॅप करके बैलेंस डेवलॅप करने की कोशिश की। दोनों ही चीजों में बैलेंस यानी फिर सोचो मत यदि उठ कर आ गए उसके बाद नहीं सोचना। क्या है यदि टाइम देना है तो देना है, इसके अलावा जो सोशल लाइफ है यानी पीहर ससुराल वाले काम भी सारे देखना होता है। यदि ये सब बैलेंस नहीं होता है तो मतलब सुनना भी पड़ता है क्योंकि मेंटेन करना तो जरुरी है, जितना हो पाता है करो। इसके अलावा माइंड को कैसे भी हैप्पी रखने की कोशिश करो। यानी मैं जैसे कई बार घर पे जाती थी तो हॉस्पिटल के स्ट्रेस से परेशान होती थी की ऐसा हो गया। आज कुछ भी दिक्कत हो गई, तो बच्चे देख कर पहले तो वो एकदम मजे से बाते करते थे फिर वो देखते थे कि मम्मा का मूड खराब है तो बिचारे सहम के एक तरफ बैठ जाते थे। फिर मैंने महसूस किया कि इस तरह घर पे आके वो टेंशन छोड़ जाना सही नहीं है, कैसे भी खुश रहना है, घर पे वो भी बहुत जरूरी है वरना बच्चों का डेवलपमेंट और वो सब सफर करता है, तो एक वीमेन बहुत सारी चीजों से गुजरती है। मतलब ऐसे आगे यदि हम बड़े हैं तो बहुत कुछ फेस किया है।

फिर खुद को सामंजस्य बिठाने की कोशिश की है और आज तो मैं फैमिली के अलावा मैं पर्सनल भी अपने आप को टाइम देती हूँ, वो भी जरूरी है वरना खुश नहीं रह सकती। थोड़ा पर्सनल लाइफ भी देखनी पड़ती है। तो वो सबको एक तो तालमेल बैठना जरूर चाहिए। केवल काम करके भी अपने आप की ग्रोथ नहीं कर सकते। जब तुम फ्री बैठते हो, सोचते हो कुछ तो ग्रोथ डबल होती है, ये मैंने हमेशा देखा है। ऐसा नहीं है की अपन घर पे बैठ गए, छुट्टी ले ली तो नॉन वर्किंग हो, जब अपना माइंड शांत होता है तो कुछ प्रोग्रेसिव सोचते हैं।

पूरा साक्षात्कार देखने के लिए स्वर्ण खबर यूट्यूब चैनल पर जाएं।

बायोग्राफी : वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु

पुसर्ला वेंकट सिंधु (जन्मः 5 जुलाई 1995) एक विश्व वरीयता प्राप्त भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं तथा भारत की ओर से ओलम्पिक खेलों में महिला एकल बैडमिंटन का रजत पदक व कांस्य पदक जीतने वाली वे पहली खिलाड़ी हैं। इससे पहले वे भारत की नैशनल चैम्पियन भी रह चुकी हैं। सिंधु ने नवंबर 2016 में चीन ऑपन का खिताब अपने नाम किया है। ओलम्पिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधु ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार जीत दर्ज कर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया है। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय शटलर हैं। फाइनल मुकाबले में उन्होंने जापान की नोजोमी ओकुहारा को 21-7, 21-7 से मात दी। 24 अगस्त 2019 को हुए सेमीफाइनल मैच में उन्होंने चीन की चेन युफेई को 21-7, 21-14 से हराया। सिंधु ने सीधे सेटों में 39 मिनट के अंदर ही विपक्षी चीनी चुनौती को समाप्त कर दिया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में पीवी सिंधु द्वारा चीन की हे बिंग को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सिंधु ने सबसे पहले सिकंदराबाद में इंडियन रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूर संचार के बैडमिंटन कोर्ट में महबूब अली के मार्गदर्शन में बैडमिंटन की बुनियादी बातों को सीखा। इसके बाद वे पुलेला गोपीचंद के गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में शामिल हो गई। आगे चलकर वे मेहदीपट्टनम से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की हैं।

सिंधु पूर्व वालीबॉल खिलाड़ी पी.वी. रमण और पी. विजया के घर 5 जुलाई 1995 में पैदा हुई। रमण भी वालीबाल खेल में उल्लेखनीय कार्य हेतु वर्ष-2000 में भारत सरकार का प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। उनके माता-पिता पेशेवर वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, किन्तु सिंधु ने 2001 के ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियन बने पुलेला गोपीचंद से प्रभावित होकर बैडमिंटन को अपना करियर चुना और महज आठ साल की उम्र से बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया। गूगल की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 'महिला एकल बैडमिंटन के सेमीफाइनल में विश्व की नंबर छह खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराने के बाद सिंधु सबसे अधिक खोजे जाने वाली भारतीय खिलाड़ी हैं।

2016 रियो ओलम्पिक

सिंधु ने ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में आयोजित किये गए 2016 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला बनीं। सेमी फाइनल मुकाबले में सिंधु ने जापान की नोजोमी ओकुहारा को सीधे सेटों में 21-19 और 21-10 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला विश्व की प्रथम वरीयता प्राप्त खिलाड़ी स्पेन की कैरोलिना मैरिन से हुआ। पहली गेम 21-19 से सिंधु ने जीता लेकिन दूसरी गेम में मैरिन 21-12 से विजयी रही, जिसके कारण मैच तीसरी गेम तक चला। तीसरी गेम में उन्होंन 21-15 के स्कोर से मुकाबला किया किंतु अंत में उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

2020 टोक्यो ओलिंपिक

भारत की स्टार बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु ने इतिहास रच दिया है। वे ओलिंपिक में लगातार 2 मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। ओवरऑल सुशील कुमार के बाद वे भारत की दूसरी एथलीट हैं। सिंधु ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में चीन की जियाओ बिंग हे को केवल 52 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया।

सिंधु ने इससे पहले 2016 रियो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। सुशील ने 2008 बीजिंग ओलिंपिक में ब्रॉन्ज और 2012 लंदन ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। यह ओवरऑल ओलिंपिक बैडमिंटन में भारत को तीसरा मेडल है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस
बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा से जोड़े...!

जयपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रवेशोत्सव को गंभीरता से लेकर प्रदेश के प्रत्येक बालक को गुणवत्तायुक्त शिक्षा से जोड़ना सुनिश्चित करें। दिलावर बुधवार को शिक्षा संकुल में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग, जिला, ब्लॉक एवं पंचायतस्तरीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवेशोत्सव के दौरान नामांकित बच्चों का जोर-शोर से स्वागत कर उत्साहवर्द्धन करें। उन्होंने आरटीई के संबंध में प्राप्त शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने, बोर्ड परीक्षा में छात्रों को सत्रांक देने में सावधानी बरतने, कक्षा में मोबाइल न ले जाने, गांव में रात्रि विश्राम करने, अध्यापकों को तैयारी के साथ कक्षा में जाने, प्रार्थना के दौरान निर्धारित कार्यक्रमों को जारी रखने, विद्यालय समय में किसी भी धार्मिक गतिविधि से दूर रहने, पट्टा विहीन विद्यालयों के लिए पट्टे जारी करवाने, विद्यालयों की सफाई व्यवस्था, प्राप्त सामग्री का वितरण समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में खेल मैदान जरूरी है। खेल मैदानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो तथा खेल मैदान रहित विद्यालयों के लिए मैदान आवंटित करवाने के लिए सार्थक प्रयास करें। वीसी में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने स्मार्ट क्लास रूम का अधिकतम उपयोग करने, आंगनवाड़ी के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने तथा कम परीक्षा परिणाम वाले 25 विद्यालयों का जिलेवार चयन कर कारणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। शिक्षा संकुल परिसर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को पौधरोपण कर मानसून का स्वागत किया। इस अवसर पर शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, अविचल चतुर्वेदी, आशीष मोदी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया।

पहली बार: सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए दिखाई देंगे बैनर और पम्पलेट
प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चे जोड़ने की पहल

जयपुर। आपने निजी स्कूलों में अब में प्रवेश के लिए ही बैनर और पोस्टरों से प्रचार देखा होगा लेकिन इस बार सरकारी स्कूलों के भी बैनर पोस्टर और पम्पलेट दिखाई देंगे जिसमें प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाएगा। डिजिटल माध्यम के बाद अब इस बार बैनर और पम्पलेट से बच्चों को अधिक से अधिक जोड़ने के लिए आकर्षित करेंगे। शिक्षा विभाग की ओर से तीन चरणों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इसमें एक चरण 13 मई से 1 जुलाई तक, दूसरा चरण दो जुलाई से 17 जुलाई तक चलेगा। तीसरा चरण 18 जुलाई से शुरू होगा, इसमें शेष रहे बच्चों के चिह्निकरण के लिए फिर से हाउस होल्ड सर्वे किया जाएगा। यह हाउस होल्ड सर्वे 24 जुलाई तक चलेगा। प्रदेश में 69 हजार सरकारी स्कूलों में करीब 90 लाख से ज्यादा विद्यार्थी अध्ययनरत है। बच्चों में रोचकता रहे प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दोनों चरणों में नव प्रवेशित बच्चों का तिलक व माला पहनाकर स्वागत किया जाएगा। विभाग की योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों तथा अभिभावकों तक पहुंचाकर उन्हें सरकारी स्कूल में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इनकी रहेगी भागीदारी

प्रवेशोत्सव के दोनों चरणों में सामूहिक भागीदारी के लिए विद्यालय में प्रवेश योग्य बच्चों के प्रवेश के लिए विद्यालय विकास एवं प्रबंध समिति के सदस्यों, पूर्व विद्यार्थी परिषद्, अभिभावक अध्यापक परिषद् तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों के सहयोग से नव प्रवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

बेहतर परिणाम के लिए शिव पब्लिक स्कूल ने बनाई अपनी अनूठी पहचान
स्टूडेंटों को मोटिवेट करने के लिए करते है पुरुस्कृत : डॉ. शिवजी लाल

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

दूनी। जूनून और जज्बे के साथ पढ़ाई का जो माहौल शिव पब्लिक स्कूल सरोली मोड़ में देखने को मिलता है जिसमें 2007 से लगता बेहतर परिणाम देकर आमजन सहित दूनी तहसील क्षेत्र में अपना एक वर्चव बना रखा है। यहां पर अनुशासन के साथ साथ नियमित अध्यापन का कार्य सफलता से होता आ रहा है। जिसके चलते बेहतर परिणाम गत वर्ष की जिला टॉपर अनादी जैन ने 98.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम सम्पूर्ण जिले में रोशन कर दिया था। आपको बता दें कि इस वर्ष भी शिव पब्लिक स्कूल ने 12वीं कला व कृषि विज्ञान वर्ग में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त कर जिले में नाम रोशन किया है। प्रबंध निदेशक पवन माहेश्वरी ने बताया कि 12वीं कला, विज्ञान व कृषि वर्ग के घोषित परिणाम में रिंकू गुर्जर 95 प्रतिशत, अक्षु ने 94, अनीता लोधा ने 94, अजय मीणा ने 93.40 प्रतिशत, मेघा ने 93, अक्षिता ने 92.80, टीना ने 92.80, तन्नू ने 92.80, काजल ने 92.20, ऐश्वर्या ने 92.20, कांता 92, मोनिका ने 91.80, आशा 91.40, नेहा नायक ने 91.20, अर्चना ने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में फिर शिव पब्लिक विद्यालय का नाम रोशन कर दिया। माहेश्वरी ने बताया कि 60 छात्राओं का गार्गी में चयन एवं 197 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण रहने पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहोल छाया हुआ है। प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व अभिभावकों को मेडल, ट्रॉफी, साफा व दुपट्टा पहना कर सम्मान किया। पूर्व में मनाए गए विजय उत्सव के दौरान दर्जनों बालिकाओं को स्कूटी एवं छात्रों को मोटरसाइकिल, 20 छात्र छात्राओं को लैपटॉप एवं 6 दर्जन छात्र छात्राओं को रेंजर साइकिल दी गई थी। प्रधानाध्यापक भंवर लाल गुर्जर, शंकर बराला व ऋषिपाल गुर्जर ने बताया कि विगत वर्षों में संस्था की बालिकाओं ने इंदिरा प्रियदर्शनी अवार्ड में 1 लाख तथा स्कूटी प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। निदेशक शिवजी लाल चौधरी ने बताया कि जिले में शैक्षिक स्तर को ऊंचा करने व ग्रामीण परिवेश को सुदृढ़ करने के लिए ग्रीष्म काल में सभी विद्यार्थी के लिए निःशुल्क वाहन व कक्षाओं की व्यवस्था की गई है जिसमें भाग लेकर छात्र छात्रा अपने कैरियर निर्माण समग्र विकास एवं ग्रीष्मकालीन समय का सदुपयोग कर सकते हैं। ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में 26 मई को एक टैलेंट हंट परीक्षा का भी आयोजन किया गया, इसमें विजेता विद्यार्थी को क्रमशः 1 से 5 स्थान लाने पर 11000, 5100, 3100, 2100, 1100 का नकद इनाम बतौर उपहार प्रदान किया गया।

IMPORTANT QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMS

1. किस राज्य में दुनिया का सबसे बड़ा रामायण मंदिर बनाया जा रहा है?
अ. केरल ब. आंध्र प्रदेश
स. उत्तर प्रदेश द. बिहार

2. राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र एवं डिजिटल प्लेनेटोरियम की स्थापना कहाँ की जानी प्रस्तावित है?
अ. कोटा ब. जयपुर
स. जोधपुर द. सीकर

3. हाल ही मे गीताप्रेस गोरखपुर को दिया जाने वाला कौन सा पुरस्कार राजीनीतिक विवादों मे रहा?
अ. गांधी शांति पुरस्कार ब. सरस्वती सम्मान
स. साहित्य अकादमी पुरस्कार द. पद्म विभूषण

4. हाल ही में अरब सागर व बंगाल की खाड़ी मे आये चक्रवात को "बिपरजॉय" का नाम किस देश के द्वारा दिया गया है?
अ. श्रीलंका ब. बांग्ला देश
स. मलेशिया द. मालदिव

5. किस सभ्यता मे बेल की मृण मूर्ति प्राप्त हुई ?
अ. सिंधु घाटी सभ्यता ब. आहड़ सभ्यता
स. गंगा नदी घाटी द. इनमें से कोई नही

6. राजस्थान मे किस विभाग ने ग्रामीण होजो मे सिनेमा ऑन व्हील्स, के रूप मे एक अभिनव प्रयोग शुरू किया ?
अ. शिक्षा विभाग ब. रोजगार विभाग
स. चिकित्सा विभाग द. कार्मिक विभाग

7. महात्मा गाँधी द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन कब आरम्भ किया गया था ?
अ. 15 अप्रैल 1939 ब. 24 मार्च 1930
स. 5 अप्रेल 1930 द. 19 मार्च 1931

8. व्यापार की दृष्टि से संसार का सबसे अधिक व्यस्ततम महासागर कौनसा है?
अ. उत्तरी प्रशान्त महासागर ब. दक्षिणी प्रशान्त महासागर
स. अटलांटिक महासागर द. हिन्द महासागर

9. किस इतिहासकार ने लिखा : 'तथाकथित प्रथम' राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न तो प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था ?
अ. आर. सी. मजूमदार ब. एस. एन. सेन
स. वी.डी. सावरकर द. इनमे से कोई नही

10. जहाज जैसे 'कप्तान' से सम्बन्धित है, वैसे "अखबार" किससे संबंधित है ?
अ. प्रकाशक ब. सम्पादक
स. पाठक द. मुद्रक

11. भारतीय संविधान के किस भाग में कल्याणकारी राज्य का वर्णन किया गया है ?
अ. भाग III ब. भाग IX
स. भाग VI द. भाग IV

12. भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य तात्कालिक कारण था?
अ. लॉर्ड डलहौजी की हड़प नीति
ब. अंग्रेजो का धर्म में हस्तक्षप का संदेह
स. सैनिक असंतोष
द. भारत का आर्थिक शोषण

13. लोकसभा में शून्यकाल की अवधी अधिक से अधिक कितनी हो सकती है?
अ. 30 मिनट ब. 60 मिनट
स. 120 मिनट द. अनलिमिटेड टाइम

14. यक्षगान किस राज्य का प्रमुख लोकनृत्य है ?
अ. राजस्थान ब. गुजरात
स. केरल द. कर्नाटक

15. निम्न में से किसे 'मूर्ख का सोना, कहा जाता है ?
अ. कापर सल्फेट ब. आयरन सल्फाइड
स. ब्रास द. सिल्वर ब्रोमाइड

16. "अलनिनो और लानिनो" किस महासागर की धाराएं है?
अ. प्रशांत महासागर ब. हिंद महासागर
स. अटलांटिक महासागर द. आर्कटिक महासागर

17. 'दादरा, नगर और हवेली को किस संशोधन द्वारा भारतीय संघ मे एक केन्द्रशासित प्रदेश के रूप मे शामिल किया था ?
अ. 45 वें संविधान संशोधन
ब. 61 वें संविधान संशोधन
स. 10 वें संविधान संशोधन
द. 42 वें संविधान संशोधन

18. पारिस्थितिकी तंत्र शब्द किसने गढ़ा ?
अ. तानसेली ब. आडुम
स. वार्मिंग द. डार्विन

19. जब कोई वस्तु पृथ्वी से चंद्रमा पर स्थानांतरित होती है -
अ. इसका द्रव्यमान बढ़ता है
ब. इसका वजन बढ़ता है
स. इसका व्यमान घटता है
द. डार्विन

20. आधुनिक आवर्त सारणी में, किस दो आवर्त में 8 तत्व है ?
अ. 4 और 5 ब. 3 और 4
स. 1 और 2 द. 2 और 3

उत्तर तालिका (1) द, (2) अ, (3) अ, (4) ब, (5) ब, (6) अ, (7) स, (8) स, (9) अ, (10) ब, (11) द, (12) ब, (13) ब, (14) द, (15) ब, (16) अ, (17) स, (18) अ, (19) द, (20) द।

जन्म कुंडली से जाने कब लगेगी सरकारी नौकरी?

सरकारी नौकरी पाने की चाहत किसे नहीं होती। लेकिन क्या सभी को सरकारी नौकरी मिल पाती है, नहीं लेकिन ऐसा क्यों होता है। दरअसल, ऐसा राशि के योग के कारण होता है।

आपकी राशि में यदि सरकारी नौकरी का योग है तो आपको वह जरूर प्राप्त होगा। लेकिन अगर सरकारी नौकरी का योग नहीं है तो आप चाह कर भी उसे प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जानिये किन ग्रहों के कारण बनता है सरकारी नौकरी का योग और साथ में यह भी जानिये कि क्या आपकी राशि में है सरकारी नौकरी का योग। सरकारी नौकरी पाने के लिए प्रयास तो जरूरी है ही पर अगर भाग्य का भी साथ हो तो राह और आसान हो जाती है. आइए, जानते हैं कि ज्योतिष में सरकारी नौकरी के योग कब बनते हैं?

वैसे तो नौकरी का मुख्य कारक शनि होता है पर नौकरी पाने में अन्य पाप ग्रहों की भी भूमिका होती है. कुंडली का छठवां और ग्यारहवां भाव नौकरी से सीधे सम्बंधित होते हैं। इनके स्वामी भी नौकरी पाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। कुंडली में अग्नि और पृथ्वी राशियां नौकरी पाने में खूब सहायता करती हैं। कब मिलती है सरकारी नौकरी ? जब कुंडली में सूर्य या चंद्रमा में से कोई एक मजबूत हो जब कुंडली में पंचमहापुरुष योग में से एक या ज्यादा योग हों। जब शनि की स्थिति मजबूत हो और शनि की साढ़े साती या ढैया चल रही हो। हाथ में सूर्य की दोहरी रेखा हो। हाथ में बृहस्पति के पर्वत पर क्रॉस हो।

कब आती है सरकारी नौकरी मिलने में बाधा? जब बृहस्पति की स्थिति काफी ज्यादा मजबूत हो। जब कुंडली में ग्रहण योग या गुरु गुरु चांडाल योग हो। जब कुंडली में शनि का सम्बन्ध धन स्थान से हो। जब हथेलियों का रंग कालापन लिए हुए हो या इनके बीच में तिल हो। जब हाथ में सूर्य का वलय हो या भाग्य रेखा टूटी हो। सरकारी नौकरी पाने के सरल उपाय क्या हैं? नित्य प्रातः अपने माता पिता के चरण स्पर्श करें। उगते हुए सूर्य को जल अर्पित करें। प्रातः और सायं 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें। सलाह लेकर एक माणिक्य अथवा नीलम धारण करें- हल्के लाल रंग का खूब प्रयोग करें।

ank-2_Copy of Layout 1 30/06/2024 10:20 PM Page 4

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोटरसाइकिल चोर गैंग का भंडाफोड़

कोतवाली क्षेत्र का मामला

5 आरोपी गिरफ्तार, 12 मोटरसाईकिलें हुई बरामद

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। पुलिस थाना कोतवाली क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरों की गैंग पर बड़ी कार्यवाही करते हुए, मोटरसाइकिल चुराने वाले एवं खरीदने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराई गई 12 मोटरसाईकिलें बरामद की गई। वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी ने कोतवाली में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने एवं मोटरसाइकिल चोरों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधीक्षक संजीव नैन के आदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक सरिता सिंह, वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी के सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली भंवर लाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम में सउनि रतनलाल, हैड कानि. मो. शरीफ, चन्द्रप्रकाश, शिवराज, कानि. रूकमकेश, ओमप्रकाश, रमेश, यशराज, हेमराज, अंकुर एवं हेमराज 919 को शामिल कर मोटरसाइकिल चोरी के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो जनों एवं चोरी की बाईक खरदीने वाले तीन जनों को डिटेन किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी नवल पुत्र बाबूलाल सैनी (20) निवासी सोनवा थाना मेहन्दवास, विकास उर्फ कालू पुत्र प्रेमलाल बैरवा (21) निवासी मोरडा थाना मेहन्दवास को बाइक चुराने तथाचोरी की बाइक खरीदने के मामले में सादिक उर्फ गुड्डू पुत्र आमिन बेग (40) निवासी गरमपुरा मस्जिद के पास लाखेरी थाना लाखेरी जिला बून्दी, हफीज पुत्र ईसराईल कुरैशी (33) निवासी बड़स नल वाली कस्थान बावड़ी थाना कोतवाली टोंक एवं दानिश पुत्र मो. अतीक मुसलमान (32) निवासी मोहल्ला शोरगरान टोंक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिल बरामद की है। थानाधिकारी कोतवाली भंवर लाल ने बताया कि मुख्य आरोपी नवल सैनी मुख्यतः नेहरू पार्क, हेमू सर्किल, किदवई पार्क के आस-पास के क्षेत्रों में रैकी करता था तथा मोटरसाइकिल खड़ी करने वालों पर निगरानी रखकर उनके जाने के बाद मास्टर चाबी से लॉक खोलकर मोटरसाइकिल चुराकर अपने जानकार मित्रों को लाखेरी, बून्दी व अन्य स्थानों पर ले जाकर बेच देता था। कोतवाल भंवरलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों पर में हफीज पुत्र ईसराईल कुरैशी पर पुरानी टोंक एवं कोतवाली में दो मुकदमें, दानिश पुत्र मो. अतीक पर कोतवाली में दो एवं थाना जवाहर सर्किल जयपुर में एक मुकदमा, नवल पुत्र बाबूलाल सैनी के विरूद्ध थाना कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज है।

पेपर लीक स्कैम की सहायता से बना क्लर्क, मामले की पुष्टि पर निलंबित हुआ तो पैसे बनाने का बनाया मास्टर प्लान

SOG ले रही है मास्टर माइंड की मास्टर क्लास

डमी अभ्यर्थी के आधार पर 8 उम्मीदवारों की हो चुकी है पोस्टिंग, अब जायेंगे जेल...

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। एसआई भर्ती पेपर-2021 लीक मामले में 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी हनुमान मीणा निवासी अलीगढ टोंक के खिलाफ तीन मामले दर्ज है और अब सलाखों के अंदर है। आपको बता दें कि हनुमान खुद है एक सरकारी कर्मचारी था जिसने पेपर लीक गिरोह के कारण ही क्लर्क की परीक्षा पास की थी, हालाँकि मामले की पुष्टि पर हनुमान को निलंबित कर दिया गया था। लेकिन हनुमान ने तो अपना अलग ही बिजनेस प्लान बना लिया और फिर जिस रस्ते से ये खुद नौकरी हासिल करा था उसी रस्ते से सब को नौकरी में लाने लगा। इसने अब तक करीब 100 युवकों की सरकारी नौकरी लगवा दी, इतना ही नहीं अपने छोटे भाई सुशील मीणा को क्लर्क भर्ती परीक्षा-2018 पास करवाई थी, प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशील हाल में वाणिज्यक विभाग में कार्यरत है। हनुमान ने राजस्थान में पांच साल में आयोजित प्रतियोगी सात परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाकर हर परीक्षा के अनुसार लाखों रुपए वसूले हैं। एसओजी ने हनुमान मीणा से हुई पूछताछ के बाद डमी अभ्यर्थी और असल अभ्यर्थी को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई हैं। एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले में हनुमान से पूछताछ में कई खुलासे हुए और अन्य कई खुलासे होने की संभावना है। दोषी सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हनुमान ने डमी अभ्यर्थी के लिए 3 लाख से 15 लाख रुपए तक लिए हैं। हनुमान ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021, वन रक्षक भर्ती परीक्षा 202, लैब असिस्टेंट परीक्षा 2019, जेवीवीएनएल हेल्पर परीक्षा 2019, पटवारी भर्ती परीक्षा 2021, संगणक (कम्प्यूटर) भर्ती परीक्षा 2021 और ग्राम विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा 2022 सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी उम्मीदवारों की व्यवस्था की। जिन पदों के लिए उसने डमी उम्मीदवारों की व्यवस्था की, वे कई नौकरी में हैं। जो अभ्यर्थी वन रक्षक भर्ती परीक्षा में धोखाधड़ी कर पास हुए थे, वे वर्तमान में कोटा और झालावाड़ के विभाग में पोस्टेड हैं, जिन्होंने जेवीवीएनएल हेल्पर परीक्षा 2019 में डमी उम्मीदवारों का उपयोग किया, वे अब टोंक और सवाई माधोपुर के बिजली विभाग में लाइनमैन हैं।

क्या बोले स्टूडेंट?

वहीं सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंटों का कहना है कि ऐसे दलाल को तो फांसी की सजा होनी चाहिए, और जो लोग ऐसे मास्टरमाइंड अपराधियों को सपोर्ट करके पैसे देते है और नौकरी पाने का भरोसा रखते है, ऐसे लोग यदि मोदी जी के स्टार्टअप इण्डिया प्रोग्राम के तहत अपना कोई ईमानदारी का बिजनेस शुरू करते तो ऐसे कलंक तो ना लगते लेकिन अब तो नौकरी के सपने छोड़ जेल में सजा कटनी पड़ेगी। वहीं स्टूडेंटों ने सरकर से गुजारिश की है कि ऐसे अपराध पर कड़ा कानून बनाएं और उसे जल्द से जल्द जमीनी स्तर पर लागू करें।

सीवरेज वालो ने बिगाड़ा रास्ता आमजन में नाराजगी

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। शहर की कई कॉलोनियों में पक्का रोड़ ना होने के कारण पहली बारिश में ही कीचड़ आमजन की मुख्य समस्या बन गया है। इसका कारण सीवरेज का काम बंद होना है क्योंकि सीवरेज वालों ने बहुत सी जगह बने हुए रोड़ तोड़ दिए और जहां कच्चे रोड थे वहां कॉलोनी वालों ने मिलकर झीगरा डलवाकर रोड़ को आने जाने लायक बना रखा था लेकिन सीवरेज वालों ने बहुत सी जगह गड्डे करके उन्हें आधा अधूरा भर दिया जिसके चलते पहली बारिश में कीचड़ ने कोहराम मचा दिया और आमजन की नाराजगी की

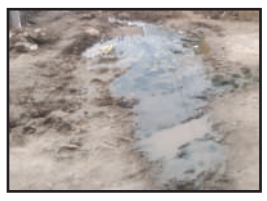

वजह बन गया। आपको बता दें कि आदर्श नगर, विकास विहार, ब्रज विहार, अम्बिका नगर, द्वारिका नगरी, पीली तलाई और बीसलपुर कॉलोनी में जहां जहां रोड नहीं बना हुआ है वहां कीचड़ ने अपना कोहराम मचा दिया है, लोगों ने कई बार इस मामले में नगर परिषद आयुक्त को अवगत भी करवाया लेकिन अधिकारी एक कान से सुनकर दूसरे कान से बात को निकाल देते है। आमजन का कहना है कि सरकारी अधिकारी खुद तो सरकारी दफ्तरों में आराम फरमाते है और हमें झूठे आश्वासन देते है। कॉलोनीवासियों का तो यह भी कहना है कि सरकारी अधिकारी यदि जमीनी स्तर पर आकर देखे तो उन्हें हमारी समस्या शायद नजर भी आये लेकिन उन्हें फुर्सत ही कहां है ?
कीचड़ के कारण आमजन में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश दिखा वहीं लोग बोले कि बारिश की शुरूआत में ही ये है तो तेज बारिश में तो हमारे यहां सभी खाली प्लॉट्स, कच्चे रास्ते यहां तक की घरों में भी पानी भर जाता है और पिछली बार की तरह इस बार भी सिर्फ सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट कर थक जायेंगे लेकिन सरकारी अफसरों के कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

ममता जाट मंजुला को मिला काव्य भूषण सम्मान...

-स्वर्ण खबर नेटवर्क-

टोंक। साहित्य मंजूषा साहित्यिक संस्था बैंगलोर द्वारा जयपुर में आयोजित वार्षिकोत्सव में टोंक जिलें से ममता जाट मंजुला को काव्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से काव्य प्रतिभाओं ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गोविन्द देव व्यास पूर्व वित्तीय सलाहकार राजस्थान सरकार ने की। मुख्य अतिथि टीकमचंद बोहरा भारतीय प्रशासनिक सेवा व वरिष्ठ साहित्यकार, विशिष्ट अथिति राजेश कर्नल भूतपूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन जयपुर, मनमोहन सिंह

राजपुरोहित वरिष्ठ साहित्यकार, युगशिल्पी हरिद्वार रहे। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त अलोक मित्तल, वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी विक्रम सोलंकी जी भी अथिति के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक राव शिवराज पाल (राव बिहारी पाल फाउंडेशन) की पुस्तक 'सप्त वणीर्काव्य पदमाकर 'व कार्यक्रम की आयोजक विनीता लवनियाँ जी की पुस्तक 'परवरिश से बनते बिगड़ते रिश्ते, व साहित्य मंजूषा मासिक पत्रिका के 63 वें अंक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ममता जाट मंजुला व सीमा शर्मा मंजरी देहली ने किया। ममता मंजुला टोंक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोठीनातमाम में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, लगातार कई वर्षों से आप लेखन कार्य कर रहीं हैं। साथ ही कविता, गजल, गीत व अन्य छंदबद्ध रचनाओं से सज्जित दो काव्य संग्रह 'अंतर्मन के मोती' व 'अतरंगी' प्रकाशित कर चुकी हैं। आपको बता दें कि ममता कई बार जिला स्तर, राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर लेखन कार्य हेतु सम्मानित हो चुकी हैं और कई बड़े मंचो पर काव्य पाठ का अवसर भी मिला है।

स्वर्ण खबर द्वारा आयोजित राइटिंग स्किल डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम में सन शाइन ग्लोबल स्कूल के स्टूडेंटों ने बढ़ चढ़ कर लिया हिस्सा...

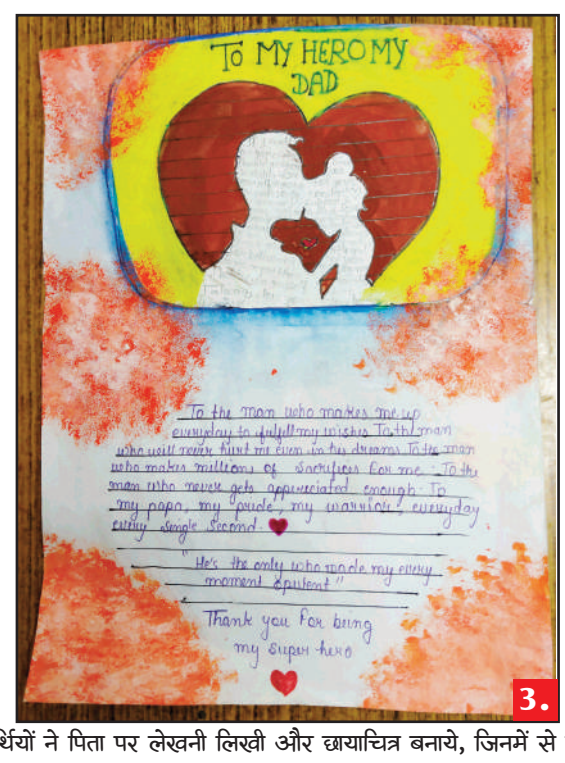

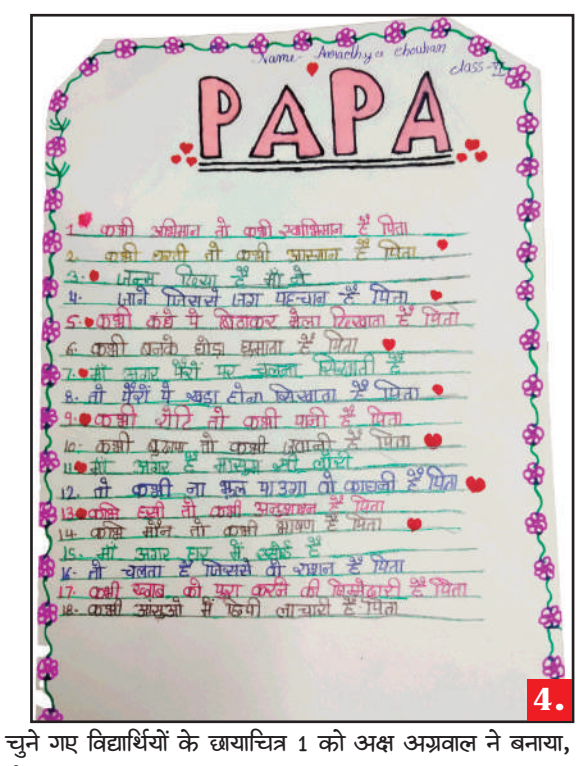

स्वर्ण खबर द्वारा राइटिंग स्किल डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम के तहत सन शाइन ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टोंक के 25 विद्यार्थियों ने पिता पर लेखनी लिखी और छायाचित्र बनाये, जिनमें से चुने गए विद्यार्थियों के छायाचित्र 1 को अक्ष अग्रवाल ने बनाया, वहीं छायाचित्र 2 को कक्षा 5 की ज्ञानवी साहू ने बनाया। फोटो 3 में पिता को हीरो बताते हुए कक्षा 11 की छात्रा छवि शर्मा ने अंग्रेजी में कविता लिखी और फोटो 4 में कक्षा 6 की आराध्या चौहान ने हिंदी में पापा पर कविता लिखी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक: राजाराम गौतम के लिए जैन आफसेट, राज टाकीज रोड़, टोंक से मुद्रित व कार्यालय श्रीस्वर्णदुर्गा कैलाशपति मन्दिर, द्वारिका नगरी बाईपास, कोटा रोड़, टोंक से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: राजाराम गौतम। फोन: 9928450637,9462549799 सह सम्पादक: मोतीशंकर तिवाड़ी व कार्यकारी सम्पादक: भगवान नारायण गौतम। ई-मेल: swarnkhabar@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के लिए जिम्मेदार ।